ब्यूटी पार्लर में मसाज़ चुदाई

“रीता शर्मा मेरी शादी हुये लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। मेरे पति सुशील मुझसे बहुत प्यार करते हैं, एक प्राईवेट फ़र्म में काम करते हैं और उनका वेतन भी बहुत अच्छा है। हमने एक क्लब भी जोईन कर रखा है।। मेरे साथ की महिलाएं जो 20 से 50 वर्ष तक की थी, अपने आप […] ...”

Story By: (kaminirita)
Posted: Friday, June 9th, 2006
Categories: कोई मिल गया
Online version: ब्यूटी पार्लर में मसाज़ चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ब्यूटी पार्लर में मसाज़ चुदाई

रीता शर्मा
मेरी शादी हुये लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। मेरे पति सुशील मुझसे बहुत प्यार करते हैं, एक प्राईवेट फ़र्म में काम करते हैं और उनका वेतन भी बहुत अच्छा है। हमने एक क्लब भी जोईन कर रखा है।। मेरे साथ की महिलाएं जो 20 से 50 वर्ष तक की थी, अपने आप को बहुत मेन्टेन रखती थी। यूं तो मैं एक मॉडल भी हूँ और अपने शरीर को सुडौल रखने के लिये मैं जिम और ब्यूटी पार्लर जाती हूँ।

पर आज मैंने शहर में एक नए पार्लर का नाम सुना। साथ की महिलायें उसकी पार्लर की बहुत तारीफ़ कर रही थी। अन्य महिलाओं की तरह मैं भी सबसे आगे रहना चाहती हूँ। आज सुशील के जाते ही मैं सबसे पहले उस नये पार्लर में गई। हालांकि वह मेरे घर से काफ़ी दूर था।

वहां काम करने वाली कुछ लड़कियों ने तो मुझे पहचान भी लिया कि मैं मॉडल गर्ल सीमा हूँ। पार्लर के मालिक ने मेरा स्वागत किया और सभी डिपार्टमेन्ट से मेरा परिचय कराया। जो लड़कियां मुझे जानती थी उन्होने सभी को बता दिया मॉडल गर्ल सीमा पार्लर में आई हुई है। मालिक को पता चलते ही मुझे ब्यूटी पार्लर जोईन करने पर काफ़ी छूट भी दी गई। मैंने वो पार्लर जोईन कर लिया।

मैं लगभग हर दो तीन दिन में एक बार वहाँ जाने लगी। वहां मुझे हर तरह के बाथ एन्जोय करने को मिल जाता था। जैसे गुलाब जल का स्नान, सोना बाथ, स्टीम बाथ, फिर स्विमिन्ग पूल का लुफ़्त, बॉडी मसाज का लुफ़्त, हरेक प्रकार का फ़ेस पैक, और भी बहुत सी चीज़ें…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ये सब बातें मैंने सुशील को भी बताई। सुशील यह सुन कर बहुत प्रसन्न हुआ कि मेरे पास समय का सदुपयोग करने का साधन आ गया था।
आज मुझे शरीर का मसाज करवाना था, सो मैंने आते ही ड्रेस बदल ली। मेरे इस रूप को वहां की वर्कर और अन्य युवतियां बड़े चाव से निहारती थी। उनकी नजरे मुझ पर जैसे चिपक जाती थी। मैं हमेशा की तरह अपनी जगह पर जा कर लेट गई और मसाज करने वाली का इन्तज़ार करने लगी।

“गुड मॉर्निन्ग मैडम… आज रीटा छुट्टी पर है… क्या मुझसे मसाज करवायेंगी आप ?” किसी लड़के की आवाज सुनाई दी।

मैंने नजरें घुमा कर देखा तो एक सुन्दर सा युवक सर झुकाये खड़ा था। मुझे उसके स्टाईल पर हंसी आ गई। मासूम सा नजर आने वाला लड़का मुझे एक नजर में ही भा गया। उसका सभ्य व्यवहार मुझे पसन्द आया,”हां हां… क्यूँ नहीं…आज आप ही मसाज कर दो…” मैंने उसे मुस्करा कर देखा और उसे प्यार से सहमति दे दी। वो तुरन्त अपना एप्रिन पहन कर आ गया और मुझे उल्टा लेटा दिया।

मैं यह भूल गई थी कि यह एक जवान लड़का है। मेरे गोल गोल चूतड़ों के उभार उसे लुभा रहे थे। मात्र एक छोटी सी पेन्टी और ब्रा में मेरा सभी कुछ दिख रहा था। उसके हाथों में वैसे तो लड़कों वाली गर्मी नहीं थी पर हां उसका मसाज मुझे उत्तेजित कर रहा था।

शायद मेरा मन उस पर आ गया था। उसके हाथ मेरे शरीर पर मालिश कर रहे थे और मैं लेटी हुई उत्तेजित हो रही थी, आखिर हाथ तो किसी मर्द का ही था ना। उसके हाथों में शायद जादू था। जैसे ही वो मेरी जांघों पर मालिश करता मुझे सिरहन सी उठ जाती थी। मेरे स्तनों के पास उसके हाथ आते तो लगने लगता था कि बस अब मेरी चूंचियां ही दबा दे। मेरे तन में एक मीठी सी वासना घर कर कर रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तब उसने मुझे सीधे होने को कहा। उसके हाथ फिर से चलने लगे। मेरे पेट पर, कमर पर, पांव पर… मेरा दिल डोल उठा था। मेरे शरीर में उत्तेजना घर करने लगी थी, वासना का ज्वर चढ़ने लगा था। मेरी चूंचिया कड़ी होने लग गई थी।

यह पहला मौका था जब कि कोई मर्द मेरा मसाज कर रहा था। मुझे उसके हाथों में जैसे सेक्स भरा हुआ सा लग रहा था। उसने भी एक बार तो अपने उभरे हुये लण्ड को मेरे कूल्हों के पास रगड़ दिया था। मैं समझ गई थी कि उसके हाल भी बुरे हैं।

अचानक उसने मेरे बड़े बड़े उरोज पर अपने हाथ जमा दिये और उन्हें दबा डाला। मैं इस हमले से हड़बड़ा गई और अनजाने में उसका हाथ पकड़ लिया और बैठ गई। मुझे ये अपना अपमान सा लगा। मैंने गुस्से से उसे देखा और अचानक ही मेरा हाथ उठ गया। मैंने उसके चेहरे पर एक तमाचा मार दिया। और उठ कर गुस्से में केबिन में चली आई।

उसका सारा नशा जैसे काफ़ूर हो गया। वो घबरा गया। मैंने अपने कपड़े पहने और और मंजू रानी जो उसकी मालकिन थी उसे डाण्ट कर चली आई। पार्लर में उस युवक को बुला कर मंजू रानी ने बहुत फ़टकारा।

दूसरे दिन मैंने सवेरे ही घर के बाहर उसी युवक को देखा। वो बहुत ही असमन्जस की स्थिति में यहाँ-वहाँ देख रहा था। तभी चौकीदार का फोन आया कि ब्यूटी पार्लर से कोई राजीव नाम का लड़का मुझसे मिलने चाह रहा है। सुशील काम पर जा चुका था। उसे मैंने ऊपर बुला लिया।

राजीव ने आते ही मेरा पांव पकड़ लिया और माफ़ी मांगने लगा और उसने मुझे पार्लर में मंजू रानी को फोन करने कहा। स्त्री स्वभाव होने से मेरा दिल पसीज गया और उसे मैंने माफ़ कर दिया। माफ़ तो करना ही था क्यूंकि वो मेरे मन को भा चुका था। उस पर मेरा दिल आ गया था। मुझे उससे चुदवाने की इच्छा होने लगी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे छेड़ने में मुझे अब मजा आने लगा था। उसके भोलेपन पर मुझे प्यार भी आ रहा था।

मुझे शरारत सूझी,"राजीव, मेरा मसाज वैसे ही करो जैसे पार्लर में किया था। अब चालू हो जाओ। चलो…"

वो घबरा गया और झट से अपनी कमीज और बनियान उतार दिया। मैंने भी ब्रा और पेण्टी को छोड़ कर कपड़े उतार दिये।

"अब पेण्ट भी उतारो… चलो… मैं भी तो वहाँ ऐसी ही थी ना…" मैंने अपनी धमकी का असर देख लिया था। वो सचमुच में डर गया था।
"जी… जी… मैडम मैंने माफ़ी मांग ली है ना… प्लीज…"
"अरे चल उतार ना…" उसकी रेगिंग लेते हुये मुझे बहुत हंसी आ रही थी। तुझे बस मेरा मसाज ही तो करना है !"

उसने अपना पेण्ट उतार दिया, और मेरा दिल धक से रह गया। उसका लण्ड उठान पर था। साफ़ ही बड़ा सा नजर आ रहा था। मुझे इस तरह से घूरते देख कर उसका लण्ड और भी कड़क हो चला था। मेरे दिल की धड़कन बढ गई। उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था। पर मैं तो खेल खेल में पिघलने लगी थी।

"तुम्हारा शरीर तो बहुत सुन्दर है राजीव… जिम जाते हो क्या… ?" मैं उसके पास आते हुये बोली।
"मैडम, प्लीज सॉरी, मेरी नौकरी चली जायेगी !"
"नौकरी कैसे जायेगी … मैंने उसके पेट पर हाथ फ़ेरा। उसका लण्ड सीधा तन्ना गया। मैंने उसे बड़ी सेक्सी और वासना भरी निगाहों से देखा। वो कुछ कुछ समझ रहा था पर डर अधिक रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“बस कीजिये मैडम जी… मुझे और ना सताईये…”
“मेरा नाम सीमा है… मुझे नाम से बुलाओ… और हां तुमने मुझे सताया था उसका क्या… बोलो… तुमने मेरे स्तन दबा दिये थे ना… अब अगर मैं तुम्हारा ये मुनमुन दबा दूं तो…” कह कर मैंने उसका लण्ड हौले से दबा दिया। उसके मुख से सिसकारी निकल पड़ी।

“सीमा जी, आप क्या कर रही हैं, मुझे समझ में नहीं आ रहा है… मैं आपका मसाज कर देता हूँ, अब प्लीज मुझे ओर ना सताईये !” उसने मेरा लण्ड पर हाथ हटाते हुये कहा और बैठ गया।
“क्यूं मजा नहीं आया क्या…” मेरी आंखो में उसने वासना देख ली थी, पर वो डर रहा था। उसने जल्दी से कपड़े पहने और जाने लगा।

“जाओ तुम्हें माफ़ कर दिया, कल मैं पार्लर आऊंगी…तुम्हीं मेरा मसाज करना… अब तुम्हें मैं छोड़ने वाली नहीं !” और जोर से हंस पड़ी। वो कुछ असमन्जस की हालत में चला गया।

पर उसका कड़क लण्ड मेरे दिल में अनेक तीर बींध गया था। रह रह कर मुझे उसका कड़क लण्ड दिख रहा था, उसकी मसल्स से भरा हुआ बदन… मुझे पिघला रहा था। उस दिन मैंने चूत में अंगुली कर के राजीव के नाम का अपना यौवन रस भी निकाला।

शाम को बेताबी में सुशील से चुदाई भी जम कर कराई। पर मन नहीं माना, उसका मोटा लण्ड का साईज़ अभी भी हाथों को महसूस हो रहा था। शायद मेरे दिल को राजीव का लण्ड चाहिये ही चाहिये था। सुबह से मुझे राजीव की याद आने लगी थी। सुशील के जाने के लिये नौ बजने का इन्तज़ार करने लगी। एक एक पल मुझे जैसे पहाड़ सा लग रहा था। आखिर वो घड़ी आ ही गई।

सुशील ओफ़िस के लिये रवाना हो गया और मैंने तुरन्त अपनी कार निकाली। धड़कते दिल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

से पार्लर पहुंच गई। सामने ब्यूटी पार्लर था, मेरा दिल धड़कने लगा था। अन्दर कदम रखते ही मुझे राजीव मिल गया।मैंने उसे मसाज रूम में आने को कह दिया और सीधे केबिन में चली आई।

ब्रा और पेण्टी में मसाज रूम में आ गई। मेरा दिल अब वासना की उत्तेजना के मारे धड़कने लगा था। मेरी सांसे भी अनियंत्रित हो चली थी। वहाँ पर राजीव आ चुका था। मैं चुपचाप आ कर लेट गई और उल्टी लेट गई।

पहले तो वो मुझे घूरता रहा फिर मेरे जिस्म को देख कर वो बहकने लगा। मैं अपनी चुदाई का इन्तज़ार करने लगी। उसके हाथ मेरे शरीर पर फ़िसलने लगे। पर उसने आज कोई मुझे उत्तेजित करने वाली हरकत नहीं की। मुझे स्वयं ही बेचेनी होने लगी। पर मैं तो स्वमेव ही उत्तेजित होने लगी थी।

जैसे ही वो मेरे चेहरे की ओर आया मैंने ही पहल कर दी… उसके लण्ड को अपनी एक अंगुली से दबा दिया। उसने कोई आपत्ति नहीं की। मैंने दुबारा उसके लण्ड को फिर से हाथ से दबाया। उसका लण्ड कड़ा होने लगा, और उभार स्पष्ट नजर आने लगा। वो भी शायद यही चाहता था। अत: वह उसी स्थान पर खड़ा रहा।

“राजीव, मजा नहीं आ रहा है… क्या नाराज है ?” मेरी बेचैनी उभर कर सामने आने लगी।
“क्या कह रही है सीमा जी… आप कहे तो एक बार… क्या करना है ?” उसे डर भी लग रहा था।

“कुछ करो ना…” मेरी इस विनती पर वो मुस्करा उठा, और उसने मेरे चूतड़ों को अपने हाथ से सहला दिया। मेरे सारे शरीर में कंपकंपी सी छूट गई। जैसे मेरी मन चाहत पूरी होने वाली थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने मेरी पेण्टी थोड़ी सी नीचे सरका दी थी और चूतड़ो की दरार और दोनों चूतड़ों के पार्टीशन राजीव को नजर आने आने लगे थे। मुझे भी थोड़ी सी हवा की ठण्डक चूतड़ों पर लगी। मेरे मन में खलबली मचने लगी। लगने लगा कि बस अब चुदाई ज्यादा दूर नहीं है।

उसका कड़क लण्ड और भी कठोर हो चुका था। उसका लण्ड मेरे चेहरे के बिलकुल समीप था… चाहती तो थोड़ा सा आगे बढ़ कर लण्ड को मुख में भर सकती थी…

“राजीव… बहुत कड़क हो रहा है… अपने मुन्ना को बाहर निकाल लो कर दर्शन करा दो…” मैं पूरी तरह से बहक चुकी थी।

“जी… क्या कह रही है आप… आप ही निकाल लो…” उसने कुछ शरमाते हुये कहा।

मैंने भी हिम्मत की और उसके पेण्ट की जिप खींच दी। उसने ऊपर के बटन खोल दिये… काली अंडरवीयर थी अन्दर… अंगुली से नीचे खींच दी… दिल फिर मेरे जैसे मेरे हलक में अटक गया। गोरा सा, मोटा सा लण्ड… बेहद तन्नाया हुआ। नीचे लटकती दो गोलियाँ… साफ़ शेव की हुई…

इतने में राजीव ने पीछे से ब्रा का हुक खोल दिया… ब्रा ढीली हो कर मेरे उरोजों से नीचे बिस्तर पर गिर गई। मेरे तराशे हुये मॉडल शरीर की चिकनाई और लुनाई उसे पागल किये दे रही थी। वो मेरे उभरे चूतड़ों की मालिश कर रहा था और रह रह कर मेरे दरार को चीर कर मेरे भूरे और गुलाबी गाण्ड के छेद पर तेल की बूंदे टपका रहा था। मेरे जिस्म में वासना की आग भड़क उठी थी। तन जैसे आग में झुलसने लगा था।

मैंने एक हाथ से उसके चूतड़ो को खींच कर उसके लण्ड को मुख के नजदीक ले आई और धीरे से उसे अपने मुख में ले लिया। राजीव सिसक उठा। उसने जोश में मेरी गाण्ड में अंगुली घुसा दी। मैंने मस्ती में अपनी आंखे बंद कर ली। दूसरे ही पल उसका दूसरा हाथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी चूंची दबा रहा था। अब उसकी कमर हौले हौले चलने लगी थी और मेरे मुख को चोदने लगी थी। मैंने अपने मुख में उसका लण्ड जोर जोर से चूसना चालू कर दिया।

“सीमा जी, अब आगे बढ़ें क्या… ?”

उसका उतावलापन बढ़ रहा था। मैं सीधी हो गई और मुख से लण्ड निकाल दिया।

“क्या करोगे अब… क्या नीचे कुछ…”

उसने मेरे अधरों पर हाथ रख दिया और पलंग के पैताने आ गया। मेरी दोनों टांगें खींच कर मेरी चूतड़ के छेद को अपने लण्ड से सटा लिया। उसके कोमल और कड़कते लण्ड का छेद पर स्पर्श मुझे गुदगुदाने लगा।

मुझे नीचे छेद पर प्यारी सी गुदगुदी और खुजली सी हुई। दूसरे ही क्षण छेद पर लण्ड का प्यारा सा दबाव बढ़ गया और मेरे मुख से एक आह निकल पड़ी। उसका लण्ड मेरी तेल भरी गान्ड के छेद में सरक कर अन्दर उतर आया था।

“हाय राजीव पूरा घुसा दे … उह्ह्ह्ह… मस्त मोटा है… !” मैंने अपने होंठ दांतों से काट लिये। थोड़ा सा जोर लगाते ही लण्ड पूरा गहराई तक घुस गया। मेरे मन की इच्छा पूरी हो रही थी।

उसने अब लण्ड को हौले हौले अन्दर बाहर करके ग़ाण्ड मारनी चालू कर दी। उसके हाथ आगे बढ़ कर मेरे उन्नत उरोज पर आ गये और उसे अब मसलने लगा था। निपल कड़े हो गये थे। वो मुझे खड़े खड़े बहुत प्यार से चोद रहा था। मेरे मुख से मस्ती भरी आहें निकल रही थी।

राजीव भी पूरी मस्ती में आ चुका था। वो खड़े हो कर आराम से धक्के मार रहा था। मेरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गाण्ड को असीम सुख मिल रहा था। यूं तो सुशील मेरी गाण्ड पर आशिक था और जम के गाण्ड मारता भी था, पर कसम से, नये लण्ड का मजा नये तरह का और गजब का होता है। मेरी चूंचियों की घुण्डियाँ मसलने पर तीखा आनन्द दे रही थी।

मुझे लगा कि राजीव कहीं झड़ ना जाये। अभी मुझे तो उसके जिस्म का प्यार भी चाहिये था। प्यास तो उसके जवान जिस्म को भोगने की थी। थोड़ी देर गाण्ड चुदाने के बाद मैंने उसे अपने ऊपर चढ़ जाने का न्योता दिया।

मैंने ठीक से सीधे लेट कर पोजिशन ले ली। वो भी बिस्तर पर मेरे ऊपर आ गया और अपने नंगे जिस्म को मेरे नंगे जिस्म से चिपका लिया। हम दोनों की बाहों का कसाव बढ़ता गया और लण्ड चूत का छेद तलाशता रहा।

उसने चूत की दरार को लण्ड पर सेट कर दिया और... हाय रे चूत में प्यारी सी... मीठी मीठी सी गुदगुदी करता हुआ मेरे जिस्म में समाने लगा। अब उसके शरीर का सुख भी मुझे बहुत आनन्द दे रहा था। जैसे शरीर में कसक भरी हुई थी।
उसने अपने लण्ड को चूत पर रगड़ते हुये और गहराई तक चोदते हुये मेरे कस बल को निकालने लगा। मैं तड़प उठी। तन में जैसे आग लग गई। उसके अधर मेरे अधर को पी रहे थे। बोबे मसले जा रहे थे... चूत चुदी जा रही थी। काश ... ऐसा मोटा लण्ड मुझे रोज मिल जाये।

अब हम दोनों बरबरी से झूम झूम कर कमर चला रहे थे और मस्त चुदाई कर रहे थे। चूत और लण्ड का घर्षण हम दोनों को बेहाल कर रहा था। धक्के तेजी पर थे... लण्ड चूत पर जम कर चल रहा था। लग रहा था कि बस जिंदगी भर चुदती ही रहूं।

पर ऊपर वाले की जैसी इच्छा ... उत्तेजना बहुत बढ़ गई थी, चूत तेजी से चुद रही थी। सिसकियाँ रोकने से भी नहीं रूक रही थी। पर जल्दी ही मेरा शरीर ऐंठने लगा... लगता था

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शरीर का सारा खून खिंच कर चूत में भर जायेगा… मेरी कमर अब अपने आप ही ऊपर उछल कर लण्ड को गहराई में लेने लगी… और आह्ह्ह रे… जावानी का रस पानी बन कर चूत के रास्ते बाहर निकल पड़ा।

मेरी सारी ताकत यौवन रस को बाहर निकालने में लगने लगी… तभी राजीव ने भी लण्ड बाहर निकाल लिया और एक भरपूर पिचकारी छोड़ दी… उसका लण्ड मेरी चूत के एक साईड में आ गया था और वीर्य निकालने लगा था।

मैं उससे लिपटी हुई थी। उसके लण्ड को और जिस्म को भली प्रकार से भोग चुकी थी। मेरा जोश झड़ने के साथ ही साथ कम होने लगा। मैंने नीचे से राजीव को हाथों से दबाव देकर इशारा किया… और वो उछल कर बिस्तर से नीचे आ गया। उसने तौलिया ले कर मेरी चूत साफ़ कर दी।

मैं भी सुस्ताई सी उठ कर बैठ गई। मैंने केबिन में जाकर कपड़े बदले और बाहर आकर राजीव को एक हज़ार रुपये इनाम में दिए। उसने अपना सर झुका कर मुझे अभिवादन किया और बाहर तक छोड़ने आया। पर मेरा उसके जवान जिस्म को और भोगना चाह रहा था। कम उम्र के लड़के कितने कंटीले होते है, ये वो जान सकता है जिसकी उम्र मेरे बराबर हो या जिसका अपने पति से चुद कर मन भर गया हो।

मैंने बाहर आ कर अपनी कार में बैठ गई और घर की तरफ़ गाड़ी मोड़ ली। बैक मिरर में से मैं राजीव को दूर होते हुये देख रही थी… मेरे दिल से एक ठण्डी आह निकली, मैंने अपना सर झटका और और उसके लण्ड का ख्याल दिल से निकाल दिया और फिर सड़क पर ध्यान केन्द्रित करने लगी…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

चूत चुदाई की ललक में डॉक्टर का लंड पकड़ लिया

मैं गुजरात में रहने वाला एक फिजियोथेरेपिस्ट हूँ। मेरी उम्र 36 साल है.. दिखने मैं सामान्य रंग वाला 6 फीट हाइट का हूँ। एक सामान्य आदमी के जैसा ही मेरा लम्बा और मोटा लंड है। मुझे अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी […]
Full Story >>>

बीवी को गैर मर्द से चुदते देखने की ख्वाहिश-2

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी नेहा ने डॉक्टर कबीर से जिस्मानी ताल्लुकात बना लिए थे और मैंने उसको चुदते हुए छिप कर देख भी लिया भी था। अब आगे.. तीन-चार दिन बीतने के बाद नेहा ने कहा- शाम को […]
Full Story >>>

वासना की न खत्म होती आग-12

अब तक आपने पढ़ा.. कांतिलाल ने मेरे साथ जबरदस्त सम्भोग किया था.. मैं उनसे अलग हो कर निढाल पड़ी थी। अब आगे.. मैं अभी सुस्त हुई ही थी कि मेरा वो पुराना मित्र अपने लिंग को हाथों से हिलाता हुआ […]
Full Story >>>

बीवी को गैर मर्द से चुदते देखने की ख्वाहिश-1

इस कहानी में एक पति के cuckold मतलब वो व्याभिचारी पति जिसको अपनी बीवी को दूसरे से चुदते देखने में खुशी मिलती है.. बनने की दास्तान है। कैसे एक बिल्कुल घरेलू बीवी पति के कहने पर चुदक्कड़ बीवी बन कर […]
Full Story >>>

मुंबई की सेक्सी मॉडल ने दीदी बन कर चूत चुदाई

हाय मैं यश.. मेरे बाल घुंघराले हैं सो ज़्यादातर लोग मुझे मैगी कहते हैं। मैं गुजरात से हूँ.. बी.कॉम में पढ़ रहा हूँ। मेरी 5 फुट 10 इंच की हाइट है.. औसत जिस्म.. अच्छा लुक.. एकदम गोरा और लम्बा व […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire